


श्री श्री महायोगी गुरु गोरख नाथ जी











Mohit Raghav

Diamond Comics

D-1806-Rs 15.00

RFN

प्राण

श्रीमतीजी

शादी की वर्षगाठं




शादी की वर्षगांठ
उस दिन की याद कितनी मधुर है जिस दिन हम दोनों एक दूसरे के हो गये थे.
सचमुच.
क्यों न आज हम शादी के कपड़े पहनें और लगन का रिहर्सल करें?
वाह! क्या खूब सूझी है.
लो, दुल्हन तैयार है.


आये थे तो
तुम्हें यूं वरमाला पहनायी थी.
फिर सात फेरों के बाद तुम मेरी हो गई थीं.
सचमुच वह कितनी खुशी का दिन था.
ऊं-आं--आं-(रोना)
शीला क्या हुआ?
मुझे अपनी मां की याद आ रही है..आं-आं SS-मैं उससे बिछुड़ गई--आं--आं--
© PRAN'S FEATURES



हिचकी और खर्राटे
हिक!- हिक!-- हिक!--
हिक!- अजी मैंने कहा, जरा उठो, हिक!
क्या है?
हिक!--- हिचकियों के कारण मुझे नींद नहीं आ रही. हिक!
यह लो, पानी पी लो. हिचकियां बंद हो जायंगी.
हिक!
हिक!-- हिक!-



हिक! अभी बंद नहीं हुई --हिक!
थोड़ा दूध पी लो. इससे गले में तरावट आयेगी और नींद भी गहरी आयेगी.
खर्र!
खर्र!
खर्र!
खर्र!
खर्र!
खर्र
शीला, उठो!
ऊं-हूं-! क्या है?
तुम्हारे खुर्राटों की आवाज से अब मुझे नींद नहीं आ रही.
खर्र!
खर्र!


फिल्म की टिकटें
आओ, आज फिल्म देखने चलें.
महीने का आखिरी हफ़्ता है. मेरी जेबें खाली हैं.
बेटा किशोर!
मां, तुम?


Mohit Raghav
शीला, देखो कौन आया है ?--- मेरी मां !
शीला, अपनी सास के लिए जरा चाय बना देना.
मेरी तबीयत खराब है.
मगर अभी तो तुम बिल्कुल ठीक थीं.
अचानक सिर दर्द होने लगा है.
कोई बात नहीं. मैं तुम दोनों के लिए फिल्म के दो टिकट लायी थी. पर जब बहू की तबीयत खराब है तो उसे आराम करने दो..
.. और हम मां - बेटा वह मैटिनी शो देख आते हैं.
PRAN'S FEATURES


वंदे मातरम्
मम्मी, मुझे एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में वंदे मातरम् गाना है. तुम मुझे वह सिखा दोगी?
मुझे राष्ट्रीय गीत पूरा नहीं आता. शायद तुम्हारे पापा को आता हो?
वंदे मातरम? मुझे पहली दो लाइनें आती हैं. उसके आगे नहीं.
अपने पड़ोस में जो समाज सेवक रहते हैं, शायद उन्हें वह पूरा आता हो?
तुम तो जानती हो मैं जनता की सेवा में दिन रात लगा रहता हूं. गीत याद करने की फुर्सत किसे है?


कोई बात नहीं. तुम्हारे स्कूल के मास्टर जी उसे जरूर जानते होंगे.
मैं गणित का मास्टर हूं. साहित्य से मेरा क्या ताल्लुक?
मैं एक मिनिस्टर को जानती हूं. उनके पास चलते हैं.
वंदे मातरम्? हां, आजादी की लड़ाई में खूब गाते थे. अब बत्तीस साल बाद वह किसे याद रहता है?
सांस्कृतिक कार्यक्रम में क्या तुम राष्ट्रीय गीत की बजाय कोई फिल्मी गाना नहीं गा सकते?


Mohit Raghav
स्वेटर का डिज़ाइन
लो, तुम्हारा स्वेटर तैयार है.
इस जैसा खूबसूरत डिज़ाइन आज तक किसी ने नहीं बनाया.
वाह! शीला, यह सचमुच एक लाजवाब डिज़ाइन है.
अपने पति का स्वेटर बनाने के लिए क्या मैं यह डिज़ाइन उतार लूं?
ठहरो! मैं एक महीने से इंतजार में थी कि कब यह स्वेटर बने और कब मैं डिज़ाइन उतारूं.


RAJ COMICS FAN NATION
RFN


Mohit Raghav
इसलिए पहले मैं इसे लेकर जाऊंगी.
तुम जब तक यह डिज़ाइन उतारोगी, सर्दियां बीत जायेंगी. इसलिए डिज़ाइन पहले मुझे उतारने दो.
मैं तो बाजार से ऊन और सलाइयां भी ले आई. इसलिए यह डिज़ाइन पहले मुझे---
अरे, चल हट!
दूर हो जा!
तेरी यह हिम्मत!
!!
!!
?
© PRAN'S FEATURES


Mohit Raghav
ऐंटीना
तुम बिल्कुल आलसी होते जा रहे हो!
क्यों?
एक महीने से कह रही हूं कि टी.वी. के ऐंटीना की तार जोड़ दो परंतु तुम हो कि टाले जा रहे हो.
लो, आज ही यह काम किये देते हैं.


शीला, तार जोड़ दी है. टी.वी. चला कर देखो!
अहा! पिकचर आ गई!
ओह!
बचाओ!
मम्मी! पापा को ऐंटीना की तार जोड़े हुए काफी देर हो गई है, फिर वह आ क्यों नहीं रहे?
© PRAN'S FEATURES


यह जो है ज़िन्दगी
हमें जल्दी छत की मरम्मत करा लेनी चाहिए. कहीं वह हमारे सिर पर ही न आ गिरे.
छत की मरम्मत नहीं हो सकती. सीमेंट की कमी है.
लो पंखा भी बंद हो गया.
देश में बिजली की कमी है.
जब तक बिजली नहीं आती, चलो स्कूटर पर बाहर घूम आयें.
© PRAN'S FEATURES


स्कूटर नहीं चला सकते. देश में पेट्रोल की कमी है.
आखिर हमारा होगा क्या? मैं फोटो नहीं खींच सकता, फिल्म की कमी है. किताब नहीं पढ़ सकता, कागज की कमी है. अगर बीमार हो जाऊं तो ठीक नहीं हो सकता क्योंकि दवाइयों की कमी है.
चलो, एक कप चाय से ही सब्र करते हैं.
वह भी नहीं बन सकती. चीनी की कमी है.
कम से कम फीकी चाय तो पी सकता हूं?
नहीं, क्योंकि गैस की कमी है.


कुकर
शीला, क्या खाना तैयार है?
सब्जी कुकर में रख दी है.
देखो, मैं जरा पड़ौस में जा रही हूं---
---इस समय सात बीस हुए हैं. दस मिनट बाद यानी साढ़े सात बजे स्टोव पर से कुकर उठा लेना.


तुम बेफिक्र होकर जाओ.
लौटने पर.
ओह! मुझे सब्जी जलने की बू आ रही है.
सारा सत्यानाश हो गया.
लेकिन घड़ी में तो अभी साढ़े सात नहीं बजे.
वह रुक गई है.
© PRAN'S FEATURES


Mohit Raghav
छतरी
आओ, घूमने चलें.
पर आसमान में बादल घिर आये हैं.
लेकिन अपने पास छतरी जो है.
ठीक है.
© PRAN'S FEATURES
लो, बारिश शुरू हो गई.


लगता है छतरी की कमानी में जंग लग गया है. खुल नहीं रही.
लो, तुम कोशिश करके देखो.
खुल गई!!


दीवाली
तुम्हारे पापा कहां हैं?
अगर वह ताश खेलने निकल गये तो आज दीवाली की जगह दीवाला हो जायेगा.
मैं यहां हूं. कहो क्या बात है?
मिठाई खरीदने नहीं जाना क्या?
चलो.

RAJ COMICS **FAN NATION**

BRINGING HOME THE JUNOON


मिष्ठान भंडार
एक किलो लड्डू!
दो किलो जलेबी!
चमचम!
रसगुल्ले!
इस दुकान पर तो बड़ी भीड़ है.
दीवाली के दिन हर हलवाई की दुकान पर यही हाल है.
तो क्या आज हम मिठाई नहीं खा सकते?
एक तरकीब सूझी है.
अरे यह सौ का नोट किसका है?
मिष्ठान भंडार
मेरा है!
नहीं मेरा!
मेरा!
मेरा!
एक किलो बर्फी और दो किलो मिलीजुली.
अरे! यह नोट तो नकली है!


Mohit Raghav
फोन नम्बर
तबीयत तो ठीक है?
थोड़ा बुखार है. आज दफ़्तर नहीं जाऊंगा.
बाजार के नुक्कड़ पर जो पब्लिक टेलीफोन है, वहां से डाक्टर सहगल को फोन करके जरा दवाई पूछ लेना.
डाक्टर सहगल का फोन नम्बर है:- 736834.
736834 न?
हां.
736834,... 736834,--
-- -- 736834,--736834,-- 736834,--
© PRAN'S FEATURES



अहा रीटा! शापिंग करके आ रही हो?
हां, वहां साड़ियों की सेल लगी है.
स्टोर्स
शीला, तुम कहां जा रही हो?
पास ही में, एक टेलीफोन करने.
पब्लिक टेलीफोन
736845,-- 736845,- --
-- 736845
मवेशियों का अस्पताल
ट्रिन--ट्रिन.
मवेशियों का अस्पताल
हेलो!--हां, हां.--
डाक्टर साब?
डाक्टर ने कहा है, बीस पेन्सिलीन की गोलियां दो बाल्टी गरम पानी के साथ दे दो.


बॉय फ्रैंड
मम्मी, बाहर एक खूबसूरत लड़की अपने बॉय फ्रैंड को पूछ रही है..
बॉय फ्रैंड?
मैं अभी उसे देखती हूं.
उसने मुझे फिल्म दिखाने का वायदा किया था.


एक शादीशुदा मर्द को बॉयफ्रेंड बनाते हुए तुम्हें शर्म नहीं आती?
मगर वह तो कहता था कि वह कुंवारा है?
वह दो बच्चों का बाप भी है.
गनीमत इसी में है कि यहां से चली जाओ, नहीं तो यह देखा है?
क्यों जी? तुम तो कहते थे कि तुम मेरे सिवा किसी को आंख उठाकर देखते भी नहीं?
मगर शीला--!
मैं कुछ सुनना नहीं चाहती. तुम सब मर्द एक जैसे ही होते हो- फरेबी, धोखेबाज---
दीदी, कहीं मेरी फ्रेंड तो यहां नहीं आई?
मैं उसके लिए फिल्म का टिकट लाया हूं.
© PRAN'S FEATURES


Mohit Raghav
छुट्टियां
ताड़
ये गरमी की छुट्टियां क्या हो गईं मुसीबत आ गई. बच्चों ने नाक में दम कर दिया है.
गांव में मेरे चचा रहते हैं. क्यों न दो महीने की छुट्टियां बिताने हम वहां चले जायें? बच्चे उनके बच्चों में खप जायेंगे.
दो महीने का हमारा राशन बचेगा.
और शहर की चिल्लपों से दूर गांव के खुले वातावरण में कुछ दिन चैन से बीतेंगे.
ठीक है.


सामान बांधो. सब तैयार हो जाओ.
घंटी!
कौन कमबख्त आ टपका?
चचा, तुम?
मैंने सोचा क्यों न इस बार गरमी की छुट्टियां शहर में तुम्हारे यहां बितायी जायें?
PRAN'S FEATURES


सौ रुपये
ओवर टाइम के यह सौ रुपये मिले हैं. इन्हें शीला से छिपाकर रखना चाहिए.
मौके बेमौके काम आयेंगे.
लेकिन कहां छिपाऊं? कोट की जेबें वह रात को टटोल लेती है.
मेज की दराज में? नहीं, यह भी उसकी नजर से बचा नहीं है.
अलमारी में? नहीं, शीला यहां से चीजें उठाती और रखती रहती है.

Mohit Raghav




श्रीमतीजी
पापाजी! मम्मी का अभी टेलीफोन आया था.
मम्मी ने आपको चौरंगी बाजार की नुक्कड़ पर इसी वक्त बुलाया है.
जल्दी जाओ!
पता नहीं क्यों बुलाया है? कहीं कोई एक्सीडेंट तो नहीं हो गया?
टैक्सी!
261.


चौरंगी बाजार की नुक्कड़! जितनी तेज हो सके ले चलो!
कहीं शीला का किसी से झगड़ा तो नहीं हो गया? मिजाज़ तो उसका गरम है ही.
या कोई गुंडा उससे सोने का नेकलस झटकना चाहता हो?
या किसी बदमाश ने उसके साथ छेड़खानी करने की कोशिश में चाकू मार कर घायल कर दिया हो?
शीला! ठीकठाक हो? मुझे क्यों बुलाया?
मैं तुम्हारे लिए यह टाई खरीदना चाहती थी. क्या तुम्हें पसंद है?
स्टोर्स


होटल
का बिल
शीला, आओ रेस्तरां में बैठकर कुछ खा पी लें.
बैंक
दो प्लेट कटलेट और दो काफी !
बिल!
ठहरो शीला ! बिल में दूंगी..
257.


सोनिया, नहीं. आर्डर मैंने दिया था, इसलिए बिल मैं दूंगी.
पर रेस्तरां चलने को मैंने कहा था.
..फिर पिछली बार भी तुमने पैसे दिये थे. इसलिए यह बिल मुझे देने दो.
अरे छोड़ो भी. सहेलियों में यह चलता है.
पर शीला! मेरा यह उसूल है मैं अपनी सहेलियों पर ज्यादा बोझ नहीं डालती.
अरे जा, बड़ी आई बाबा अरस्तू की बेटी!
पर मैं अपने उसूलों की खातिर कुछ भी कुर्बान करने को तैयार हूं.
ठीक है सोनिया! तुम जीतीं, मैं हारी. बिल तुम्हीं दे दो. बस?
हां, यह हुई न बात!
शीला! बिल चुकाने के लिए ज़रा दस रुपये उधार देना. मैं पर्स घर भूल आई हूं.
© PRAN'S FEATURES 1981


Mohit Raghav
मेहमान
खट - खट -
शीला ! देखना, आधी रात को कौन दरवाजा खटखटा रहा है?
रंजना, तुम ?
हां, दीदी ! एकदम प्रोग्राम बन गया. हमने गाड़ी पकड़ी और आ गये.
ठीक है. तुम बैडरूम में सो जाओ. हम ड्राइंगरूम में सो जाएंगे.
खर्र - खर्र -
शीला!
यह कौन है ?
यह तो अपनी पड़ोसन रामी की आवाज है.
264


रात का आखिरी शो देखने गए थे. रास्ते में घर की चाबी कहीं गिर गयी.
कोई बात नहीं. आज की रात तुम हमारे ड्राइंगरूम में सो जाओ.
खर्र--
खर्र--
किशोर!
अब कौन आ टपका?
यह तुम्हारे दोस्त रुल्दू की आवाज लगती है.
मेरी बीवी ने झगड़कर मुझे घर से बाहर निकाल दिया है.
आज की रात तुम हमारी रसोई में काट लो.
खर्र--
अब क्या सोच रहे हो?
यही कि अब अगर कोई आ गया तो हम कहां सोएंगे?
© PRAN'S FEATURES


सम्पत्ति
मम्मी, ताऊ और ताईजी आये हैं.
भाई! कहो, कैसे आना हुआ?
हम पैतृक सम्पत्ति के बारे में बात करने आये हैं.
तुमने कहा था, इस मकान की तुम निचली और हम ऊपरी मंजिल लेंगे. यह हमें मंजूर नहीं. हमारे पास कार है. उसे रखने के लिए हमें निचली मंजिल मिलना जरूरी है.
हम ऊपरी मंजिल पर चले जायेंगे, पर साथ में हमें पिताजी का फर्नीचर मिलना चाहिए.


तुम फर्नीचर लोगे तो पिताजी का बैंक एकाउंट हमारे हिस्से में आयेगा.
तब गांव की जमीन हमारी.
पिताजी के सारे कंपनी शेयर हमारे!
तो फिर उनकी अंबाले वाली हवेली हमारी!
उनके अमरूद वाले बाग हमारे!
उनकी बग्घी हमारी!
उनकी घड़ी हमारी!
उनकी गाय हमारी!
उनकी किताबें हमारी!
अरे, क्यों झगड़ते हो? मैं अभी जिन्दा हूं.
© PRAN'S FEATURES


कुशल मैकैनिक
शीला, तिजोरी की चाबी कहां है? मैंने कुछ पैसे निकालने हैं.
चाबी न जाने कहां रखकर भूल गयी?
अलमारी में तो नहीं है.
मेज की दराज में भी नहीं.
सिरहाने के नीचे भी नहीं.


अरे भई जल्दी करो ! तिजोरी न खुली तो गजब हो जायेगा. खर्चा कहां से करेंगे ? ?
मैं अभी किसी को तिजोरी खोलने के लिए बुला कर लाती हूं.
मैं कुछ मदद करूं ?
बिना चाबी के तुम तिजोरी खोल लोगे ?
देखो.
तड़ाक!
लो, तुम्हारी तिजोरी खुल गयी.
क्या तुम मैकेनिक हो ?
नहीं, चोर !


लम्बे बाल
शीला ! तुम्हारी साड़ी पर कुछ बाल पड़े हैं.
हां, कंघी करते समय मेरे बाल झड़ने लगे हैं.
मेरे बाल भी बहुत कम रह गए हैं.
यह सब खाने पीने की चीजों में मिलावट के कारण होने लगा है.
वर्ना मेरी दादी के बाल सौ की उम्र में भी घुटनों को छूते थे.
नमस्ते! मैं पड़ोस में नई आई हूं. सोचा, आप से परिचय कर आऊं.
आओ!


तुम कितनी खुशनसीब हो! तुम्हारे बाल कितने घने, लम्बे और घुंघराले हैं!
क्या तुम इनके लिए कोई स्पेशल विटामिन खाती हो?
नहीं.
कोई खास शैम्पू?
नहीं.
शिकाकाई या आंवले से धोती होगी?
नहीं!
कोई केशवर्धक तेल?
नहीं.
तुम्हारे बाल भी मेरी तरह लम्बे और चमकीले हो सकते हैं.
कैसे?
कैसे?
मेरी तरह यह बाजार से पैंतीस रुपये बीस पैसे में खरीद लो.
© PRAN'S FEATURES


Mohit Raghav
पकवान विधि
रामी! आज क्या बना रही हो?
पनीर कोफ़्ते!
अच्छा?
हां, अभी थोड़े दिन पहले इंदु की शादी में नत्थू हलवाई ने जब पनीर कोफ़्ते बनाए थे तो मैं उसके पास खड़ी होकर बनाने की विधि देखती रही थी.
आज उसी विधि से बना रही हूं.


शीला! लो, जरा मेरे पनीर कोफ़्ते चखकर देखो.
हूं... खुशबू तो बहुत बढ़िया आ रही है.
रामी! इसमें लाल मिर्च कितनी डाली है?
यह पूरा डब्बा!... नत्थू हलवाई ने भी पनीर कोफ़्ते में लाल मिर्च का एक पूरा डब्बा डाला था.
लाल मिर्च
वे उसने पूरी बारात के लिए बनाए थे.
© PRAN'S FEATURES


नौकरानी
शीला, वो दरवाजे पर क्यों बैठी है?
सारा दिन सेल्समैन आकर दरवाजे की घंटी बजाते रहते हैं. मैं उनको जवाब देते देते परेशान हो जाती हूं. कुछ काम नहीं कर पाती. इसलिए आज से मैंने यह नौकरानी रख ली है जो उनको जवाब देगी.
सेल्समैनों से निपटने में यह एक्सपर्ट है. अभी देखना.
ट्रिन-नने--
मैं यह मशीन बेचता हूं. यह रसोईघर के बड़े काम की चीज है. इसका हर कुशल गृहिणी के पास होना जरुरी है.


नहीं चाहिये!
देखा! अब हम आराम से बैठकर बातें कर सकते हैं.
ट्रिन नन
नहीं चाहिये!
लेकिन..
लेकिन वेकिन कुछ नहीं! चलते बनो!
पर मैं यहां रहता हूं. इस घर का मालिक हूं.
माफ करना बाबूजी! पहचान नहीं सकी.
© PRAN'S FEATURES :


Mohit Raghav
Action SHOES
PISTA
बेटा अर्जुन, देखो हम तुम्हारे लिए क्या लाये हैं!
क्या लाये हैं डैडी?
एक्शन शूज़?
याहू!
अब मेरे पास दो जोड़े एक्शन शूज हो गये!
द-द... दो जोड़े-? वो कैसे?? अभी रामू से पूछता हूं!
रामू!
आवत हैं मालिक!
अर्जुन के पास दूसरा जोड़ा जूता कहां से आया?
साहब यो बचवा भी आप ही की तरह एक्सन सूस का दीवाना है!
अबे, साफ साफ बोल..!
साहेब, आज दोपहर में मेम साहेब किट्टी पार्टी में गई रहिन, और हम तनिक सुस्ता रहे थे, तो बचवा अर्जुन, आप के एक्शन शूज, आप की अल्मारी में से निकाल कर, सामने से ब्लेड से काट कर, अपने खुद के साइज के बना दियेन साहेब!
क्या...? दिखाओ.... क-क ... कहां हैं मेरे प्यारे ऐक्शन शूज...?
हाय-यह क्या हालत बना डाली है इस नालायक ने मेरे जूतों की-- म-मेरी छाती फटी जा रही है!
अब छाती फटने से जूते तो सिल नहीं जायेंगे साहेब-... आप को खुद ही को इत्ता ख्याल होना चाहिये था कि जब आप अपने जूते लाये थे तो बचवा के भी जूते तभी ले आने चाहिये थे...!
तुम ठीक कहते हो रामू!
अरे साहेब, आप कहां चल दिये... चाय तैयार है!
नहीं रामू.. पहले मैं जाकर अपने लिए नई जोड़ी ऐक्शन शूज ले आऊं..तभी मैं चैन से बैठ पाऊंगा!
ठीक है साहेब, हमार वास्ते भी एक दस लम्बर का ऐक्शन सूस ले आईयेगा... दाम हम धीरे-धीरे अपनी तनखा में से कटवा देंगे..
"एक्शन शूज मुझे भी बहुत अच्छा लगता है जी"
सुमारत


चुन्नू
कॉमिक्स
मूल्य 6.00
मूल्य 30.00